प्रखर सिद्धांतों पर आधारित पुणे और मुंबई से प्रकाशित हिंदी दैनिक

सिद्धांत समाचार

वर्ष १६ — अंक ३५८ — मंगलवार १२ मई २०२६ पुणे RNI NO.MAH HIN/2005/15277 २ रूपए

siddhantsamachar.com @SiddhantSamachar facebook.com/siddhantsamachar siddhantsamachar@gmail.com

2026-27 ADMISSION OPEN

CAYMET'S

SIDDHANT GROUP OF INSTITUTIONS SUDUMBARE, PUNE

For Apply Scan QR code

Highlights at Siddhant Group of Institutions, Pune

21+ YEARS IN QUALITY EDUCATION	7+ INSTITUTES	300+ TEACHING STAFF	150+ RECRUITERS	7900+ PLACEMENTS	10,000+ ALUMNI ACROSS THE GLOBE

SGI Proudly Emerges As An Initiative of the Prestigious CAYMET

BACHELOR OF ENGINEERING (B.E.)
DTE CODE: 6149

COMPUTER ENGINEERING.	180
INFORMATION TECHNOLOGY.	60
ARTIFICIAL INTELLIGENCE & DATA SCIENCE.	120
ARTIFICIAL INTELLIGENCE & MACHINE LEARNING	120
INTERNATE OF THINGS	60
ELECTRONICS & COMPUTER ENGINEERING.	120
ELECTRONICS & TELECOMMUNICATION	60
MECHANICAL ENGINEERING	60
CYBER SECURITY	60
ELECTRICAL ENGINEERING	60
CIVIL ENGINEERING	60

DIPLOMA ENGINEERING
DTE CODE: 6149

ARTIFICIAL INTELLIGENCE & MACHINE LEARNING	60
ELECTRICAL ENGINEERING	60
COMPUTER ENGINEERING	60
CIVIL ENGINEERING	60
MECHANICAL ENGINEERING	60
ELECTRONICS & TELECOMMUNICATION	60

MASTER OF ENGINEERING (M.E.)
DTE CODE: 6149

M.E. - COMPUTER (COMPUTER ENGINEERING)	18
M.E. - E & TC (VLSI & EMBEDDED SYSTEM)	18
M.E. - MECHANICAL (DESIGN ENGINEERING)	24
M.E. - INFORMATION TECHNOLOGY	24

M. B. A.
DTE CODE: MB-6134
(Master of Business Administration)
SPECIALIZATION
Marketing Management
Financial Management
Human Resource Management
Operations Management
Information Technology

M. C. A.
DTE CODE: 6240
(Master of Computer Application)

NURSERY to XII STD.
(XI & XII - Science & Commerce)

BACHELOR OF PHARMACY
DTE CODE: PH-6258

DIPLOMA in PHARMACY
DTE CODE: D-6515

MASTER OF PHARMACY
DTE CODE: MPH-6258
Pharmaceutics
Quality Assurance Technique

DIPLOMA in PHARMACY (WOMEN)
DTE CODE: D-6922

B.B.A
(Bachelor of Business Administration)

B.COM
(Bachelor of Commerce)

B.C. A.
(Bachelor of Business Administration in Computer Application)

ENGG.: +91 99239 06993
PHARMACY: +91 98225 34771
MBA: +91 94232 70598

MCA: +91 985000 5059
BBA | BCA | BCOM: +91 96894 93733
Nursery to 12th STD.: +91 99238 27999

- SIDDHANT COLLEGE OF ENGINEERING www.siddhantcoe.in
- SIDDHANT COLLEGE OF PHARMACY www.siddhantcop.in
- SIDDHANT SCHOOL OF PHARMACY WOMEN www.siddhantsopw.in
- SIDDHANT INSTITUTE OF BUSINESS MANAGEMENT www.siddhantibm.in
- SIDDHANT INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES www.siddhantmgtstudies.in
- SIDDHANT INSTITUTE OF COMPUTER APPLICATION www.siddhantica.in
- SIDDHANT INTERNATIONAL SCHOOL www.siddhantischool.com

Add. : Chakan- Talegaon Road, Sudumbare, Pune 412109 | admissionsiddhant@gmail.com | www.siddhantgroupedu.in

सिद्धांत समाचार
मंगलवार १२ मई २०२६

हिमालया बेबीकेयर ने लान्च की शिशु के 'पहले अनुभवों' के जरिए 'मम्मा वाली फीलिंग' का जश्न मनाती भावपूर्ण मदर्स डे डीवीसी

भारत के सबसे भरोसेमंद बेबी केयर ब्रांड्स में से एक हिमालया बेबीकेयर, जिसे शिशु बहुत पसंद करते हैं, ने इस मदर्स डे पर मातृत्व की निरंतर विकसित होती यात्रा का जश्न मनाते हुए एक भावपूर्ण डिजिटल वीडियो कमर्शियल (डीवीसी) लान्च किया है। यह कैंपेन एक शिशु के 'पहले अनुभवों' की एक श्रृंखला और उनसे उत्पन्न होने वाली सुखद भावनाओं के माध्यम से मातृत्व की इस खूबसूरत यात्रा को उजागर करता है। इस कैंपेन का मूल विचार यह है कि जहां ये पड़ाव शिशु के विकास का जश्न मनाते हैं, लेकिन ये पल मां के लिए भी उतने ही महत्वपूर्ण और भावनात्मक होते हैं। आज के दौर में माता–पिता बनने की इस आगे बढ़ती यात्रा में, ऐसे कई पल चुपचाप गुजर जाते हैं, जिनकी अहमियत अक्सर अनदेखी रह जाती है। इस डीवीसी के माध्यम से हिमालया बेबीकेयर ने मां के अनुभवों को केंद्र में रखते हुए उस सहज और गहरे भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाया है, जो शिशु के हर पहले कदम के साथ और मजबूत होता जाता है। कैंपेन पर टिप्पणी करते हुए, चक्रवर्ती एन.वी., निदेशक – बेबीकेयर, हिमालय वेलनेस कंपनी, ने कहा, "हिमालया बेबीकेयर में, हम मानते हैं कि मातृत्व कई कई छोटे–छोटे 'पहले अनुभवों' से मिलकर बनता है – ऐसे पल जो भले ही क्षणिक हों, लेकिन भावनात्मक रूप से बेहद गहरे और यादगार होते हैं। इस कैंपेन के माध्यम से हम उन रोजमर्रा के अनुभवों का जश्न मना रहे हैं, जो एक मां की यात्रा को दर्शाते हैं। 'मम्मा वाली फीलिंग' हर स्पर्श, हर उपलब्धि और हर याद के साथ और गहरी होती जाती है। सुरक्षित, सौम्य और भरोसेमंद उत्पाद उपलब्ध कराने के साथ–साथ हम माताओं को इस सफर में मार्गदर्शन, संसाधन और सहयोग प्रदान करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे आत्मविश्वास और मानसिक संतोष के साथ इस यात्रा को आगे बढ़ा सकें।"की उन वास्तविक भावनाओं को सामने लाता है है – जहां हर छोटा पल खास होता है और हर 'पहली बार' जीवन भर की स्मृति बन जाता है।

डिजिटल प्रेशियस मेटल इकोसिस्टम ने सेल्फ–रेगुलेटरी ऑर्गनाइजेशन की स्थापना की

भारत की डिजिटल प्रेशियस मेटल्स इंडस्ट्री ने साथ मिलकर डिजिटल प्रेशियस मेटल्स एश्योरेंस काउंसिल ऑफ इंडिया (डीपीएमएसीआई) का गठन किया है। यह एक सेल्फ–रेगुलेटरी ऑर्गनाइजेशन (एसआरओ) है, जिसका उद्देश्य भारत के डिजिटल मेटल इकोसिस्टम में पारदर्शिता, संचालन की विश्वसनीयता और कंज्यूमर प्रोटेक्शन सुनिश्चित करना है। डिजिटल प्रेशियस मेटल इंडस्ट्री को एक नया आयाम देने के लिए, सार्वजनिक नीति की विशेषज्ञ सुश्री निरुपमा सुंदरराजन को डीपीएमएसीआई का स्वतंत्र चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। उनके नेतृत्व में, यह ऑर्गनाइजेशन न केवल सख्त नियम लागू करेगा, बल्कि सरकार के साथ मिलकर एक पारदर्शी और कंज्यूमर–फ्रेंडली इकोसिस्टम भी तैयार करेगा। इस कदम से न सिर्फ कंज्यूमर्स का भरोसा बढ़ेगा, बल्कि यह इंडस्ट्री को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के साथ आगे बढ़ाने में मदद करेगा। यह ऑर्गनाइजेशन, प्रमुख विक्रेताओं और वितरकों को एकीकृत आचार संहिता के अंतर्गत संगठित करता है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य, इंडस्ट्री में सख्त मानकों और सत्यापन तंत्र को लागू करना है, जिससे कंज्यूमर्स का विश्वास बढ़े और उनकी चिंताओं का प्रभावी समाधान किया जा सके। डिजिटल प्रेशियस मेटल्स एश्योरेंस काउंसिल ऑफ इंडिया (डीपीएमएसीआई) के वर्तमान सदस्य, भारत में डिजिटल गोल्ड और सिल्वर के प्रमुख विक्रेता और वितरक हैं। जिनमें एमएमटीसी–पीएएमपी, सेफगोल्ड, ऑगमोंट, फोनपे, भारतपे, मोबिक्विक, गुल्लक, लेनदेन क्लब और क्रेड शामिल हैं। इंडस्ट्री में उच्चतम मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए, डीपीएमएसीआई फ्रेमवर्क, 1:1 भौतिक धातु समर्थन की गारंटी देता है, जिसे नियमित ऑडिट के माध्यम से सत्यापित किया जाएगा। इसके अलावा, सभी होल्डिंग्स का लंदनध्यूएईध् भारतीय गुड डिलीवरी मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य होगा। यह ऑर्गनाइजेशन, कंज्यूमर्स के अधिकारों की रक्षा के लिए एक ओम्बड्समैन फ्रेमवर्क की स्थापना पर भी कार्य करेगा, जिससे उनकी शिकायतों का निवारण, निर्धारित समय सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जा सके। डीपीएमएसीआई फ्रेमवर्क को डिजिटल प्रेशियस मेटल्स के क्षेत्र में पारदर्शिता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए बनाया गया है। इस फ्रेमवर्क के अंतर्गत, स्वतंत्र ऑडिट फर्में सख्त जाँच करेंगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भौतिक भंडार कंज्यूमर होल्डिंग्स से पूरी तरह मेल खाते हों। सभी संपत्तियों को स्वतंत्र संरक्षकों या सुरक्षित वॉल्ट्स में रखा जाएगा, जहाँ स्टोरेज, सुरक्षा, इंश्योरेंस और प्रकटीकरण के लिए सख्त नियम लागू होंगे। कंज्यूमर फंड्स को स्वतंत्र ट्रस्टी की देखरेख में अलग–अलग अकाउंट्स में रखा जाएगा, ताकि ग्राहकों के हित पूरी तरह सुरक्षित रहें। यह व्यवस्था यह भी सुनिश्चित करती है कि यदि किसी मध्यस्थ को दिवालिया घोषित कर दिया जाए, तब भी कंज्यूमर एसेट्स पूरी तरह से सुरक्षित रहे। इसके लिए, एक आधिकारिक पोर्टल लॉन्च किया गया है जिसमें शासन मानकों और एक सुव्यवस्थित शिकायत निवारण तंत्र के डिटेल्स दिए हैं। यह पहल भारत के तेजी से बढ़ते डिजिटल मेटल मार्केट को वैश्विक स्तर की सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ जोड़ती है। यह पोर्टल अनिश्चितता को खत्म करके सत्यापित प्रमाणपत्रों और सक्रिय अनुपालन समीक्षाओं के माध्यम से पारदर्शिता और विश्वास को बढ़ावा देता है। इस पहल पर बात करते हुए, डीपीएमएसीआई की स्वतंत्र चेयरपर्सन, सुश्री निरुपमा सुंदरराजन जी ने कहा, "डीपीएमएसीआई का गठन इस इंडस्ट्री के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। पारदर्शिता और कठोर मानकों के एक साझा ढाँचे को सक्रिय रूप से स्थापित करके, हम सतत विकास की नींव रख रहे हैं जो ग्राहकों के विश्वास को प्राथमिकता देता है। स्वतंत्र ऑडिट और स्पष्ट सुरक्षा उपायों जैसे अभ्यासों को संस्थागत बनाना पूरे सेक्टर के लिए अच्छा है, क्योंकि यह कंज्यूमर्स की सुरक्षा और बाजार की विश्वसनीयता को मजबूत करता है। डीपीएमएसीआई नीति निर्माताओं के साथ एक रचनात्मक भागीदार के रूप में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि ये बेहतरीन प्रथाएँ पूरे इकोसिस्टम के लिए एक मानक बन सकें और एक पारदर्शी व फलती–फूलती डिजिटल इकोनॉमी को सहारा दे सकें।" जैसे–जैसे भारत में डिजिटल मेटल का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, यह पहल घरेलू बाजार को स्थापित वैश्विक ढाँचों के साथ जोड़ती है। यह उद्योग–व्यापी मानकों और संरचित सत्यापन तंत्रों की स्थापना के माध्यम से संभव हो रहा है।

मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड को पीएफआरडीए से पेंशन फंड का स्पॉन्सर बनने की मंजूरी मिली

मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (एमओएएमसी) को पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) से नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के तहत पेंशन फंड का स्पॉन्सर बनने की मंजूरी मिल गई है। यह मंजूरी पीएफआरडीए द्वारा पेंशन फंड स्पॉन्सर के चुनाव के लिए जारी किए गए रजिस्ट्रेशन दिशा–निर्देशों के जवाब में मोतीलाल ओसवाल एएमसी की ओर से दिए गए आवेदन के बाद मिली है। इस जिम्मेदारी के तहत, मोतीलाल ओसवाल एएमसी एक अलग पेंशन फंड कंपनी बनाएगी, जो एक इन्वेस्टमेंट मैनेजर की भूमिका निभाएगी कृ यानी यह एनपीएस के सदस्यों के पैसों का प्रबंधन करेगी और पीएफआरडीए एक्ट, 2013 और संबंधित नियमों के अनुसार पेंशन से जुड़े निवेश की देखरेख करेगी। मोतीलाल ओसवाल एएमसी अब रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट हासिल करने और एनपीएस ट्रस्ट के साथ इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट एग्रीमेंट (आईएमए) जैसे जरूरी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने सहित अन्य औपचारिकताएं पूरी करेगी। इसके साथ ही कस्टोडियन, बिचौलियों और अन्य पक्षों के साथ भी जरूरी व्यवस्थाएं की जाएंगी। ये सब पूरा होने के बाद, मोतीलाल ओसवाल एएमसी एनपीएस के तहत पेंशन फंड स्पॉन्सर के रूप में अपना पूरा कामकाज शुरू कर देगी। इस कदम से मोतीलाल ओसवाल एएमसी की भारत के फाइनेंशियल सिस्टम में भूमिका और मजबूत होगी। साथ ही, कंपनी की मजबूत इन्वेस्टमेंट क्षमता और अनुभवी फंड मैनेजमेंट टीम की मदद से लोगों को लंबे समय के लिए रिटायरमेंट प्लानिंग करने का एक अच्छा विकल्प मिलेगा। श्री प्रतीक अग्रवाल, एमडी और सीईओ, मोतीलाल ओसवाल एएमसी ने कहा, ''जैसे–जैसे भारत का फाइनेंशियल सिस्टम आगे बढ़ रहा है, लंबे समय के लिए रिटायरमेंट में निवेश और प्लानिंग करना बेहद जरूरी होता जा रहा है। भारतीय अब 'बचत करने वाले' से 'निवेश करने वाले' बन रहे हैं और एनपीएस में भी पैसा लगातार बढ़ रहा है। एनपीएस इकोसिस्टम में हमारी एंट्री के जरिए हम एक रिसर्च–आधारित, उच्च–विश्वास और लंबे समय वाला निवेश दृष्टिकोण लाना चाहते हैं — जिसका मकसद निवेशकों को एक मजबूत रिटायरमेंट फंड बनाने में मदद करना है।''

यह समाचार पत्र प्रकाशक, मुद्रक, मालिक व संपादक : श्री राजेंद्र सिंह यादव द्वारा, सिद्धांत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सुदंबरे, चाकन – तलेगांव रोड, पुणे – ४१२१०६ से प्रकाशित किया जाता है।
RNI NO.MAH HIN/2005/15277
www.siddhantsamachar.com / E-mail : siddhantsamacharpune@gmail.com / Phone : 9 8707 99 813
इस अखबार में छपी सभी खबरों के लिए संपादक सहमत है ऐसा नहीं। न्यायालयीन विवाद के लिए कार्यक्षेत्र पुणे रहेगा।

पुणे आरएमसी एसोसिएशन ने काम के नए घंटे घोषित किए

पुणे – पिंपरी–चिंचवाड़ इलाके में पुणे आरएमसी एसोसिएशन ने रेडी मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) इंडस्ट्री के लिए नए और अपडेटेड वर्किंग आवर्स की घोषणा की है। ये बदलाव इस मकसद से किए गए हैं कि इंडस्ट्री में सर्विस ज्यादा आसानी से, प्लान्ड और अच्छे तरीके से चले। जारी की गई जानकारी के मुताबिक, हफ्ते के वर्किंग आवर्स को दो अलग–अलग सेशन में बांटा गया है। सोमवार, मंगलवार, गुरुवार और शुक्रवारः इन दिनों वर्किंग आवर्स सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक जारी रहेंगे। साथ ही, बुधवार, शनिवार और रविवारः इन दिनों सर्विस सुबह 6:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक मिलेगी। एसोसिएशन ने साफ किया है कि इस फैसले से कंस्ट्रक्शन सेक्टर में आरएमसी की ज्यादा प्लान्ड सप्लाई होगी और कस्टमर्स को समय पर सर्विस मिलने में मदद मिलेगी। पुणे आरएमसी एसोसिएशन ने इंडस्ट्री के सभी स्टेकहोल्डर्स से भी अपील की है कि वे इन ऑफिशियल टाइमिंग का पालन करें ताकि पूरा सिस्टम ज्यादा अच्छे से और आसानी से चल सके।

पीपीपी बेसिस पर पूरे राज्य में 200 चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे

राज्य सरकार और एसटी कॉर्पोरेशन 2035 तक एसटी कॉर्पोरेशन की सभी बसों को ई–बसों में बदलने के लिए तेजी से कोशिश कर रहे हैं। इस बारे में, जरूरी चार्जिंग सुविधाएँ बनाने के लिए पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के आधार पर पूरे राज्य में कम से कम 200 चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएँगे और जल्द ही एक टेंडर प्रोसेस शुरू किया जाएगा, यह जानकारी ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर और एसटी कॉर्पोरेशन के चेयरमैन प्रताप सरनाईक ने दी। मिनिस्ट्री हॉल में हुई मीटिंग में एसटी कॉर्पोरेशन के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. माधव कुसेकर समेत सभी सीनियर अधिकारी मौजूद थे। मीटिंग में मिनिस्टर सरनाईक ने साफ किया कि 2035 तक सभी एसटी बसों को ई–बसों में बदलने का लक्ष्य रखा गया है। इसे देखते हुए, भविष्य में लगभग 20,000 ई–बसों के लिए जरूरी चार्जिंग स्टेशन बनाना समय की जरूरत है। पूरे राज्य में एसटी कॉर्पोरेशन की उपलब्ध जगहों पर प्लान किए गए चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए संबंधित डेवलपर को एक खास जगह दी जाएगी। डेवलपर उस जगह पर मॉडर्न चार्जिंग स्टेशन बनाएगा जहाँ एसटी की ई–बसें चार्ज होंगी। इस प्रोजेक्ट के तहत डेवलपर को करीब 1500 स्क्वेयर फीट जगह लीज पर दी जाएगी और प्राइवेट गाड़ियों को भी उस चार्जिंग स्टेशन पर दूसरे समय चार्ज करने की इजाजत होगी। इससे एसटी कॉर्पोरेशन को सही रेट पर ई–बसों को चार्ज करने की सुविधा मिलेगी। साथ ही, डेवलपर द्वारा इस्तेमाल की गई जगह के किराए और प्राइवेट गाड़ियों से चार्ज करने से होने वाले मुनाफे का एक तय हिस्सा एसटी कॉर्पोरेशन को रेवेन्यू के तौर पर मिलेगा। मंत्री प्रताप सरनाईक ने भरोसा जताया है कि इस पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप प्रोजेक्ट के लिए टेंडर प्रोसेस आने वाले दिनों में शुरू हो जाएगा। उम्मीद है कि इससे एसटी कॉर्पोरेशन भविष्य में इको–फ्रेंडली ई–बसों के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

चिखली – कुदलवाड़ी में अतिक्रमण पर चला नगर निगम का बुलडोजर

पिंपरी – पिंपरी चिंचवड़ मनपा के 'सी' रीजनल ऑफिस के तहत चिखली, कुदलवाड़ी और जाधववाड़ी इलाकों में बिना इजाजत के बने कंस्ट्रक्शन पर सोमवार सुबह बड़ी बेदखली कार्रवाई की गई। अंधेरे में शुरू हुई इस रेड कार्रवाई से कुछ देर के लिए इलाके में तनाव का माहौल बन गया। इस कार्रवाई में कुल 4,336.28 स्क्वेयर फीट बिना इजाजत के बने कंस्ट्रक्शन हटाए गए। मनपा ने विसावा चौक से पुलिस चौकी रोड पर ग्रुप नंबर 700 में बिना इजाजत के बने पेपर शेड, जाधववाड़ी रोड पर ईंटों से बने पेपर शेड, कुदलवाड़ी पुलिस चौकी के पास ग्रुप नंबर 678 में बिना इजाजत के बने आरसीसी कंस्ट्रक्शन और सावता माली मंदिर रोड इलाके में बने पेपर शेड पर कार्रवाई की। यह कार्रवाई मनपा कमिश्नर डॉ. विजय सूर्यवंशी और पुलिस कमिश्नर विनय कुमार चौबे के मार्गदर्शन में की गई। इस कार्रवाई में बिल्डिंग परमिट डिपार्टमेंट के 12 डिप्टी इंजीनियर, 4 जूनियर इंजीनियर, 24 सिविल इंजीनियरिंग असिस्टेंट (बीट इंस्पेक्टर) के साथ ही रेड कार्रवाई टीम के कर्मचारी शामिल थे। कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए करीब 1200 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी और 218 एमएसएफ के जवान तैनात किए गए थे। साथ ही, 10 पोकलेन, 10 जेसीबी, 50 मजदूर, 3 फायर इंजन और 2 एम्बुलेंस तैयार रखी गई थीं। बिजली डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अधिकारियों ने भी ऑपरेशन में मदद की।

नॉन–टेक प्रोफेशनल्स ने वित्तीय वर्ष 2026 में ग्रेट लर्निंग के एआई एनरोलमेंट्स में बहुमत दर्ज किया

उच्च शिक्षा और प्रोफेशनल ट्रेनिंग के लिए अग्रणी वैश्विक एड–टेक कंपनी Great Learning ने खुलासा किया कि वित्तीय वर्ष 2026 में उसके एआई प्रोग्राम्स में दाखिला लेने वालों में 66% प्रोफेशनल्स गैर–तकनीकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि से थे। यह भारत के अपस्किलिंग परिदृश्य में हो रहे बदलाव को दर्शाता है, जहाँ विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स एआई–आधारित कार्यस्थलों में प्रासंगिक बने रहने के लिए No–Code एआई टूल्स अपना रहे हैं, ताकि वे अपनी उत्पादकता और कार्यक्षमता बढ़ा सकें। इस बढ़ती मांग को मुख्य रूप से अनुभवी प्रोफेशनल्स आगे बढ़ा रहे हैं। गैर–तकनीकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले कुल एनरोलमेंट्स में से लगभग 64% ऐसे प्रोफेशनल्स थे जिनके पास 12 वर्षों से अधिक का अनुभव था। इनमें बीएफएसआई, हेल्थकेयर और फार्मा, मैन्युफैक्चरिंग, एजुकेशन और रिसर्च, एफएमसीजी और रिटेल जैसे क्षेत्रों के वरिष्ठ लीडर्स, फंक्शनल और बिजनेस हेड्स शामिल हैं। मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस, ऑपरेशंस, प्रोडक्ट और सेल्स जैसे विभागों के प्रोफेशनल्स यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि एआई–आधारित ऑटोमेशन किस तरह वर्कफ्लो को आसान बना सकता है, ऑपरेशनल खर्च कम कर सकता है, निर्णय लेने की गति बढ़ा सकता है और बेहतर बिजनेस परिणाम दे सकता है। जैसे–जैसे एआई मुख्यधारा में शामिल हो रहा है और बिजनेस ऑपरेशंस का अहम हिस्सा बनता जा रहा है, वैसे–वैसे एआई पहल को प्रयोगों से आगे बढ़ाकर बड़े स्तर पर लागू करने की क्षमता एक महत्वपूर्ण लीडरशिप स्किल बनती जा रही है। यह ट्रेंड भारतीय कार्यस्थलों में हो रहे व्यापक बदलाव को भी दर्शाता है। Microsoft के Work Trend Index 2026 के अनुसार, एआई उपयोग करने वाले 65% लोगों को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए कार्यस्थल पर एआई इस्तेमाल करने का दबाव महसूस होता है। इससे स्पष्ट है कि एआई की समझ अब विभिन्न भूमिकाओं, विभागों और उद्योगों में एक मुख्य प्रोफेशनल अपेक्षा बनती जा रही है। इस बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, Great Learning ने अपने अधिकांश प्रोग्राम्स में No–Code लर्निंग ट्रैक्स शुरू किए हैं। अब विद्यार्थी एक ही प्रोग्राम में Coding Track या No–Code Track में से चुन सकते हैं। एआई क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों के कारण प्रोफेशनल्स लंबे समय वाले कोर्स में निवेश करने को लेकर अधिक सतर्क हो गए हैं। इसलिए, ग्रेट लर्निंग के अधिकांश नए एआई प्रोग्राम्स को तीन से पाँच महीने की अवधि में डिजाइन किया गया है। इन प्रोग्राम्स में लगभग 70% सीखने की प्रक्रिया प्रोजेक्ट्स, वास्तविक दुनिया के उपयोग, और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा लाइव डेमोंस्ट्रेशन पर आधारित है। National Technology Day के अवसर पर, अर्जुन नायर ने कहा, "National Technology Day हमें याद दिलाता है कि भारत की सबसे बड़ी तकनीकी उपलब्धियाँ हमेशा तकनीक को

अधिक लोगों तक पहुँचाने पर केंद्रित रही हैं। एआई अब केवल तकनीकी टीमों तक सीमित नहीं है। आज फाइनेंस, हेल्थकेयर या सप्लाई चेन जैसे क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स भी बिना गहरी कोडिंग विशेषज्ञता के शक्तिशाली एआई टूल्स का उपयोग कर सकते हैं। वे एआई की क्षमताओं को समझकर वर्कफ्लो ऑटोमेट कर सकते हैं, इनसाइट्स तैयार कर सकते हैं और अपने संगठनों की कार्यप्रणाली को बेहतर बना सकते हैं। Great Learning में हम गैर–तकनीकी प्रोफेशनल्स को भी एआई Native बनने और अपने दोहराए जाने वाले कार्यों के लिए एआई–थ्पतेज सोच अपनाने में सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि उनकी उत्पादकता और प्रभाव बढ़ सके। भारत की नवाचार भावना का उत्सव मनाने वाले इस दिन पर, हम उस अगले परिवर्तन की ओर देख सकते हैं जो केवल टेक्नोलॉजी टीमों से नहीं, बल्कि हर विभाग और हर उद्योग से आएगा।"

दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब को 3 विकेट से दी मात

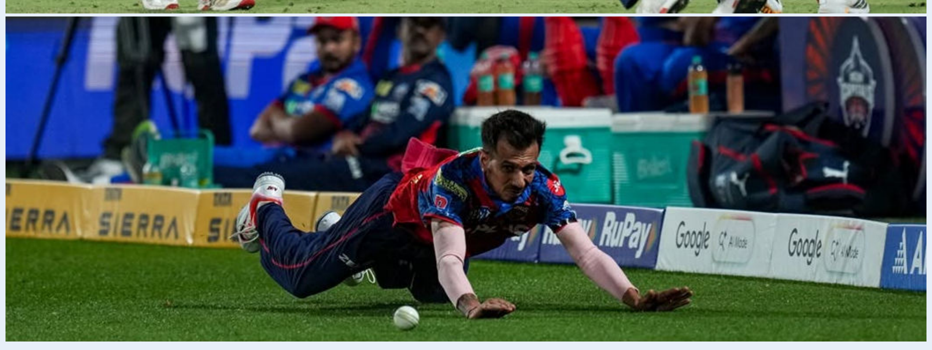

आईपीएल 2026 के 55वें मैच में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का आमना–सामना हुआ। धर्मशाला में खेले गए इस मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने 5 विकेट खोकर 210 रनों का स्कोर खड़ा किया। पंजाब की ओर से प्रियांश आर्या और कप्तान श्रेयस अय्यर ने शानदार अर्धशतक जड़े। अय्यर ने 59 रनों की पारी खेली। वहीं, प्रियांश ने 56 रनों का योगदान दिया। पंजाब के विशाल स्कोर के जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान अक्षर पटेल और डेविड मिलर के धमाकेदार अर्धशतक की बदौलत 211 रनों का लक्ष्य 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। पंजाब को हराने के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स ने प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा है। वहीं, पंजाब को लगातार चौथी हार का मुंह देखना पड़ा। दिल्ली कैपिटल्स ने अब पॉइंट्स टेबल में एक स्थान की छलांग लगाते हुए 7वें स्थान पर कब्जा जमा लिया है। पंजाब किंग्स की हालत खराब है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली इस टीम ने शानदार आगाज किया था। ऐसा लग रह था कि कोई टीम उसे हरा ही नहीं पाएगी, लेकिन जीत का सिलसिला ऐसा रुका, जो फिर से शुरू ही नहीं हो पा रहा है। पंजाब ने पहले सात मैचों में ही 13 अंक हासिल कर लिए थे, लेकिन उसके बाद टीम लगातार चार मैच हार चुकी है। इसको लेकर कप्तान श्रेयस अय्यर बिफर पड़े हैं। मैच के बाद उन्होंने ये भी बताया कि युजवेंद्र चहल से आखिर एक भी ओवर की गेंदबाजी क्यों नहीं कराई गई। उन्होंने कहा कि उनके मन में जरूर चहल को गेंदबाजी देने को लेकर सवाल आया था, लेकिन बॉल जिस तरह से सीम कर रही थी और तेज गेंदबाजों की मदद कर रही थी, उसके बाद चहल को गेंदबाजी नहीं दी गई। श्रेयस अय्यर ने कहा कि अगर हमारे तेज गेंदबाजों ने ठीक लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी की होती वे विकेट निकाले जा सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया और हम मैच हार गए। कुल मिलाकर कप्तान पेसर्स की गेंदबाजी से काफी निराश नजर आए। वैसे अगर आंकड़े के हिसाब से देखा जाए तो भी श्रेयस अय्यर की बात सही लगती है। धर्मशाला के इस स्टेडियम पर पहली बार आईपीएल में 200 से अधिक रनों का स्कोर चेज हुआ है। इससे पहले साल 2010 में जब यहां चेन्नई सुपरकिंग्स और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच मैच खेला गया था, तब 193 रनों के लक्ष्य का पीछा हो गया था। इसके बाद अब जाकर ये रिकॉर्ड टूटा है और टीम ने 211 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। यानी रन तो पर्याप्त थे, लेकिन कहीं ना कहीं गेंदबाजी खराब हुई है, इसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ रहा है।

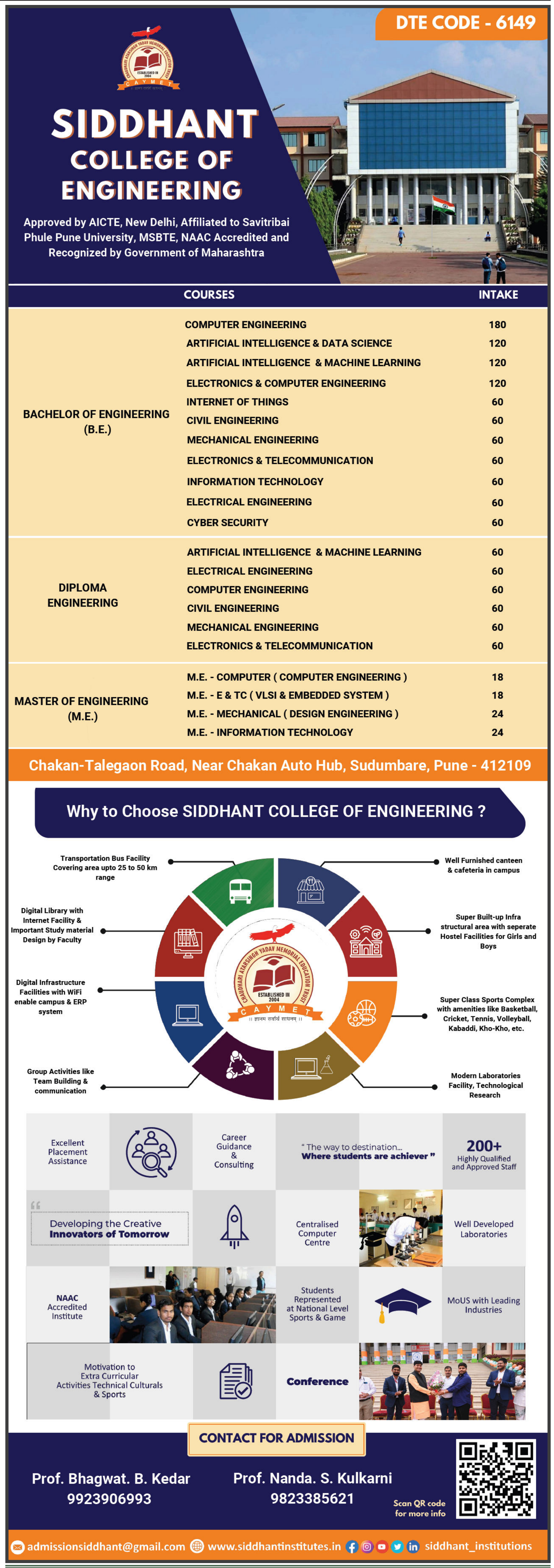

यूपी में टैक्स फ्री हुई 'कृष्णावतारम'

'कृष्णावतरम पार्ट 1: हृदयम' रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। ये फिल्म 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, इससे पहले निर्माताओं ने 7 मई को फिल्म के पेड प्रीव्यू रखे और दिन पर दिन इसे लेकर दर्शकों के बीच क्रेज बढ़ता जा रहा है। चार दिनों में 'कृष्णावतारम' घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 8 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है। वहीं दुनियाभर में ये आंकड़ा 9.80 करोड़ पहुंच गया है। खास बात तो ये है कि इस फिल्म ने कमाई के मामले में कपिल शर्मा स्टारर 'दादी की शादी' को भी मात दे दी है, जो इसी के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस बीच फिल्म को लेकर एक और खुशखबरी है। ये फिल्म उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री घोषित कर दी गई है। सोमवार को फिल्म के कलाकारों और निर्माताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की, जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर छाई हैं। रिलीज के बाद ये फिल्म कई बिग बजट और बड़े स्टार्स वाली फिल्मों को टक्कर देती नजर आ रही है। फिल्म की लोकप्रियता और सिनेमाघरों में मिली सफलता को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने फिल्म को टैक्स फ्री करने का ऐलान किया है। रविवारको लोकभवन में 'कृष्णावतारम' की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें आनंदीबेन पटेल, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ अन्य कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। इसके बाद सीएम योगी ने फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी और फिल्म की तारीफ की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फिल्म की टीम से मुलाकात की और कहा कि यह फिल्म भगवान कृष्ण के जीवन और उनके मानवीय दृष्टिकोण को दिखाती है। इसी के साथ ये द्वापर युग और सनातन संस्कृति को भी भव्य पैमाने पर दर्शाती है। उन्होंने सूचना विभाग को प्रत्येक जिले में फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित करने के भी निर्देश दिए हैं, ताकि बच्चे और युवा भारतीय संस्कृति और विरासत से जुड़ और समझ सकें। विशेष स्क्रीनिंग में कृष्णावतारम की टीम उपस्थित थी, जिसमें निर्माता साजन राज कुरुप, निर्देशक हार्दिक गज्जर, मुख्य कलाकार सिद्धार्थ गुप्ता और संस्कृति जयना, साथ ही निर्माता शोभा संत और पूनम श्रॉफ गज्जर शामिल थे। फिल्म में सिद्धार्थ गुप्ता, संस्कृति जयना, सुष्मिता भट, निवाशिनी कृष्णन जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। हार्दिक गज्जर द्वारा निर्देशित 'कृष्णावतरम' को क्रिएटिवलैंड स्टूडियोज एंटरटेनमेंट के साजन राज कुरुप और शोभा संत के साथ–साथ अथाश्रीकथा मोशन पिक्चर्स के पूनम श्रॉफ गज्जर और पार्थ गज्जर ने प्रस्तुत और निर्मित किया है। ये फिल्म तीन भागों में रिलीज होगी। जहां पहला भाग पहले ही सिनेमाघरों में दस्तक दे चुका है तो वहीं अन्य दो भागों को लेकर मेकर्स जल्दी ही कोई ऐलान कर सकते हैं। पौराणिक फिल्म कृष्णावतराम पार्ट 1: हृदयम 7 मई को पेड प्रीव्यू के बाद 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। हालांकि फिल्म की शुरुआत बहुत दमदार नहीं रही, लेकिन वीकेंड पर इसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। शुक्रवार को फिल्म ने 1.15 करोड़ तो शनिवार को 2.25 करोड़ का कलेक्शन किया, वहीं रविवार को इसने 3.50 करोड़ रुपये कमाए। इसके अलावा पेड प्रीव्यू से इसने 42 लाख रुपये कमाए थे।

ज्योति देशपांडे ने 'धुरंधर 3' के बारे में एक अहम संकेत दिया

साल 2025 और 2026 में बॉक्स ऑफिस पर सुनामी लाने वाली फिल्म 'धुरंधर' के प्रशंसकों के लिए एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। आदित्य धर के निर्देशन और रणवीर सिंह के अभिनय से सजी इस स्पाई–एक्शन फ्रैंचाइजी ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अब फिल्म की सह–निर्माता ज्योति देशपांडे के एक ताजा बयान ने 'धुरंधर 3' की चर्चाओं को हवा दे दी है। 'धुरंधर' की पहली फिल्म की सफलता के ठीक तीन महीने बाद ही, उन्होंने इसका दूसरा भाग सिनेमाघरों में रिलीज कर दिया। दर्शक पहली फिल्म की अधूरी कहानी को आगे बढ़ते देखने के लिए पहले से ही बहुत उत्साहित थेय नतीजतन, फिल्म ने अपनी आधिकारिक रिलीज से पहले ही एडवांस बुकिंग के जरिए करोड़ों का राजस्व कमा लिया। रणवीर सिंह अभिनीत इस फिल्म के दोनों भाग रिलीज होने के बाद, प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर तीसरे भाग की मांग शुरू कर दी, जिस विषय पर फिल्म की टीम ने पहले पूरी तरह चुप्पी साध रखी थी। हालाँकि, पर्दे के पीछे, निर्माता कुछ बड़ा प्लान कर रहे हैं। हाल ही में, श्रप्व ॅजनकपवे की सह–निर्माता ज्योति देशपांडे ने 'धुरंधर 3' के बारे में एक अहम संकेत दिया। अपनी बातचीत में, ज्योति देशपांडे ने साफ तौर पर यह नहीं बताया कि साल के अंत तक प्रशंसक 'धुरंधर' के संबंध में किस बड़े सरप्राइज की उम्मीद कर सकते हैं। हालाँकि, उनके संकेत के आधार पर, प्रशंसकों ने यह कयास लगाना शुरु कर दिया है कि 'धुरंधर' का तीसरा भाग बहुत जल्द सिनेमाघरों में आ सकता है। पिछले काफी समय से, रणवीर सिंह अभिनीत इस फिल्म के बारे में ऐसी खबरें चल रही हैं कि इसका तीसरा भाग बन रहा है। हालाँकि, आदित्य धर की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है; नतीजतन, ये खबरें फिलहाल केवल अटकलें ही बनी हुई हैं। आदित्य धर की स्पाई–एक्शन फिल्म 'धुरंधर' 2025 में रिलीज हुई थी और इसे फैन्स ने बहुत पसंद किया था। पहली फिल्म की सफलता के बाद, 'धुरंधर 2' मार्च 2026 में रिलीज हुई। इस फ्रैंचाइजी की दूसरी किस्त ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की और कई नए रिकॉर्ड बनाए। दोनों

फिल्मों में सितारों से सजी कास्ट थी, जिसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, राकेश बेदी, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और अक्षय खन्ना के अलावा कई अन्य जाने–माने कलाकार शामिल थे।